Janta College Bakewar, Etawah (U.P)
Accredited B Grade By NAAC
Affiliated to C.S.J.M. University, Kanpur (U.P)

किसान सेवा एवं किसान प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

WELCOME

HONORABLE OF NAAC PEER TEAM

III Cycle Accreditation (2024)

Presented by

Dr. M.P. Singh
संयोजक

किसान सेवा एवं किसान प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

समिति

संयोजक	: डॉ एम. पी. सिंह
सहसंयोजक	: डॉ मनोज कुमार यादव
सदस्य	: डॉ संजय कुमार विश्वकर्मा
सदस्य	: डॉ संजीव कुमार
सदस्य	: डॉ डी. जे. मिश्रा

POLICY

Farmer Service and Farmer Training Cell, Janta College Bakewar to provide farmers with latest agricultural information and technology like low cost high production technology, organic farming, protective farming, information about latest high yielding short durable varieties of various crops and crop protection measures. This cell has been formed with the objective of under the latest Agricultural Information Technology is given to the farmers in the college and by visiting the farmers' fields.

उद्देश्य

1. किसानो को नवीनतम कृषि तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना।
2. कालेज के प्राध्यापकों / विषय विशेषज्ञों द्वारा किसानो की कृषि सम्बन्धी समस्याओं के निस्तारण हेतु सुझाव देना।
3. किसानो की फसलों में लगने वाले रोग, कीट एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सुझाव देना।
4. किसानो को कम लागत द्वारा अधिक आय प्राप्त करने की तकनीकी की जानकारी देना।
5. किसानो को सरकारी कृषि सम्बन्धी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना।
6. किसान गोष्ठी एवं किसान प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना।
7. कृषि उद्यमिता विकास हेतु सुझाव देना।
8. किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी के माध्यम से नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराना।

Programme in College Campus and Outreach in Various Villages

Programme in College Campus

S. N.	Date	Particulars	Participants Farmers& Students	Name of Expert
1.	11.09.2024	Krishi Gosthi and Training Programme	113	1. Mr. Pramod Kumar, DAO & BSA, Etawah 2. Mr. Madan Kumar, Branch Manager, CBI 3. Prof. M.P. Singh 4. Prof. P.K. Rajput 5. Dr. Manoj Kumar Yadav
2.	05.10.2024	RAWE Training/ Convention Programme	101	1. Prof. A.K. Pandey 2. Prof. M.P. Singh 3. Dr. A.P. Singh
Outreach Programme in Adopted Villages				
1.	17.10.2024	Krishi Gosthi and Training Programme in Ujhiyani Village	102	1. Prof. M.P. Yadav 2. Prof. P.K. Rajput 3. Prof. M.P. Singh 4. Prof. Dharmendra Kumar 5. Dr. Aditya Kumar 6. Dr. Manoj Kumar Yadav
2.	23.10.2024	Krishi Gosthi and Training Programme in PuthiaVillage	95	1. Prof. P.K. Rajput 2. Prof. M.P. Singh 3. Dr. A.P. Singh 4. Dr. D.J. Mishra 5. Dr. Anand Singh
3.	13.11.2024	Krishi Gosthi and Training Programme in Parsupura Village	98	1. Prof. P.K. Rajput 2. Prof. M.P. Singh 3. Dr. Sanjeev Kumar 4. Dr. Manoj Kumar Yadav

GLIMPSES OF THE PROGRAMMES

खेती-किसानी

जनता कालेज बकेवर कृषि शिक्षा एवं प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बना

किसानों को दी कृषि तकनीक की जानकारी

संवाददाता बकेवर, इटावा

प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भाग लेते प्राचार्य डा राजेश त्रिपाठी एवं अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। जनता कालेज बकेवर कृषि विज्ञान प्रशिक्षण के लिए जाना जाता है। इस महाविद्यालय मे कृषि के छात्रो के साथ दूरस्थ स्थानों से आए हुए किसान कृषि की नई योजनाएं तथा नई तकनीकी का ज्ञान प्राप्त कर लाभान्वित होते हैं।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए प्राचार्य डा राजेश किशोर त्रिपाठी ने बताया प्रत्येक वर्ष कालेज के छात्र क्षेत्र के 12 गांव गोद लेते हैं। जिसमें सभी विद्यार्थी किसान के साथ मिलकर कृषि की सभी गतिविधियो को कराने में सहयोग करते हैं। बीज बुवाई से लेकर फसल को बाजार में बेचने तक की गतिविधियों की मॉनिटरिंग आवंटित छात्र समूह किसानो के साथ मिलकर करते हैं।

जिला कृषि अधिकारी प्रमोद कुमार ने जनपद में चलाई जाने वाले विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में छात्रो को अवगत कराया। संयोजक डॉ एमपी सिंह ने कहा कि महाविद्यालय क्षेत्रीय किसानों की समस्याओं को जानकर कालेज के विषय विशेषज्ञों द्वारा उनका समाधान एवं नवीनतम कृषि तकनीकी समझकर उन्हें किसानो तक पहुंचाने का कार्य निरंतर करता आ रहा है। कृषि यंत्रीकरण योजना के अंतर्गत किसानों को 70 से 80 फीसदी सब्सिडी मिलती है, जिसमे ट्रैक्टर हैरो कल्टीवेटर आदि कृषि यंत्र मिलते हैं। इसी तरह स्प्रेयर, डस्टर, रीपर एवं कंबाइन मशीन पर भी विशेष सब्सिडी किसानो को दी जाती है।

सीबीआई के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक मदन कुमार ने बताया कि किसानो को खेती-बाड़ी के लिए कम ब्याज पर केसीसी लोन दिया जाता है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्राध्यापक डा आदित्य कुमार ने संतुलित पशु आहार एवं बरसात सीजन में खुरपका मुंहपका रोग के निदान के संबंध में जानकारी दी। डॉ एसके विश्वकर्मा ने सब्जी उत्पादन की तकनीकी को समझाया। डॉ मनोज कुमार यादव ने फसल सुरक्षा उपाय पर प्रकाश डाला। डॉ पीके राजपूत ने रावे के विद्यार्थियो को आवंटित गांव की सूचना देने के साथ गांव में जाकर गांव एवं किसान संबंधी डाटा एकत्रित करने की जानकारी दी। कृषि संकाय के डीन डॉ एके पांडेय ने फल संरक्षण तकनीकी की जानकारी दी।

जनता कॉलेज में कृषि संकाय के विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

मंचासीन अतिथिगण व प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी।

बकेवर (इटावा) 12 सितम्बर। जनता कॉलेज बकेवर के सेमीनार हॉल में कृषि संकाय के विद्यार्थियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ.एम.पी.सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम लैब टू लैंड और लैंड टू लैब पर आधारित होता है जिसमें विद्यार्थी क्षेत्रीय किसानों की समस्याओं को जानकर कॉलेज के विषय विशेषज्ञों से उनका समाधान एवं नवीनतम कृषि तकनीकी समझकर उन्हें किसानों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं साथ ही किसानों के संपर्क में रहकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं इसलिए आज यहां कृषि संकाय के विद्यार्थियों को नवीन कृषि संबंधी तकनीकी जानकारी एवं कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रभारी जिला कृषि अधिकारी एवं भूमि संरक्षण अधिकारी व प्रभारी एस.डी.ओ.प्रमोद कुमार को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। साथ ही बैंकिंग प्रणाली तथा संबंधी केसीसी आदि की जानकारी देने के लिए सेंट्रल बैंक आफइंडिया के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक मदन कुमार को आमंत्रित किया गया है। प्रमोद कुमार प्रभारी जिला कृषि अधिकारी एवं भूमि संरक्षण अधिकारी ने विद्यार्थियों को कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि यंत्रीकरण योजना के अंतर्गत किसानों को 70 से 80% सब्सिडी मिलती है, जिसमें ट्रैक्टर हैरो कल्टीवेटर आदि कृषि यंत्र मिलते हैं। इसी तरह स्प्रेयर ,डस्टर, रीपर एवं कंबाइन मशीन पर भी विशेष सब्सिडी किसानों को दी जाती है। कृषि विभाग द्वारा सब्सिडी पर दिए जा रहे फसलों के बीजों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्राध्यापक डॉ.आदित्य कुमार ने संतुलित पशु आहार एवं बरसात सीजन में खुरपका मुंहपका रोग के निदान के संबंध में जानकारी दी। डॉ.एस.के.विश्वकर्मा ने सब्जी उत्पादन की तकनीकी को समझाया। डॉ.मनोज कुमार यादव ने फसल सुरक्षा उपाय पर प्रकाश डाला। डॉ. पी.के.राजपूत ने रावे के विद्यार्थियों को आवंटित गांव की सूचना देने के साथ गांव में जाकर गांव एवं किसान संबंधी डाटा एकत्रित करने की जानकारी दी।कृषि संकाय के डीन डॉ.ए.के.पांडेय ने फल संरक्षण तकनीकी की जानकारी दी। अंत में कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर राजेश किशोर त्रिपाठी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.एम.पी यादव, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं, किसानों को कृषि योजनाओं के लाभ बताए

GLIMPSES OF THE PROGRAMMES

स्वतंत्र चेतना 5

www.swatantrachetnanews.com

जनता कॉलेज में रावे विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

चेतना कार्यालय बकेवर। जनता कॉलेज बकेवर के सेमीनार हॉल में कृषि संकाय के विद्यार्थियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया, कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ.एम.पी.सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला, उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम लैब टू लैंड और लैंड टू लैब पर आधारित होता है जिसमें विद्यार्थी क्षेत्रीय किसानों की समस्याओं को जानकर कॉलेज के विषय विशेषज्ञों से उनका समाधान एवं नवीनतम कृषि तकनीकी समझकर उन्हें किसानों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं साथ ही किसानों के संपर्क में रहकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं इसलिए आज यहां कृषि संकाय के विद्यार्थियों को नवीन कृषि संबंधी तकनीकी की जानकारी एवं कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रभारी जिला कृषि अधिकारी एवं भूमि संरक्षण अधिकारी व प्रभारी एस.डी.ओ.प्रमोद कुमार को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है साथ ही बैंकिंग प्रणाली ऋण संबंधी केसीसी आदि की जानकारी देने के लिए सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक मदन कुमार को आमंत्रित किया गया है। प्रमोद कुमार प्रभारी जि... कृषि अधिकारी एवं भूमि संरक्षण अधिकारी ने विद्यार्थियों को कृ... संबंधी योजनाओं की जानकारी दे... हुए बताया कि कृषि पंजीकरण योज... के अंतर्गत किसानों को 70 से 80 ... सब्सिडी मिलती है, जिसमें ट्रैक्टर, कल्टीवेटर आदि कृषि यंत्र मिलते हैं इसी तरह सोलर, डस्टर, रीपर ... कंबाइन मशीन पर भी विशेष सब्सि... किसानों को दी जाती है। कृषि विभा... द्वारा सब्सिडी पर दिए जा रहे फसल... के बीजों की जानकारी भी दी ... और यह भी बताया कि वर्तमान ... जो किसानों की समस्याएं हैं उन... निदान जो आज आपको बताए ... है कि किस तरह किसान कम ... में अधिक उत्पादन प्राप्त करें ... तरह किसान अपनी फसल को कीट, मकोड़े बीमारियों से बचाव यह सब कृषि तकनीकी किसानों को बताती है कृषि संकाय के डीन डॉ.ए.के.पांडेय फसल संरक्षण तकनीकी की जानकारी दी। अंत में कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए ... का धन्यवाद ज्ञापन किया कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.एम.पी यादव डॉ.धर्मेन्द्र कुमार आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

इटावा/हमीरपुर

छात्रों को एक दिवसीय मशरूम की खेती के लिये दिया गया प्रशिक्षण

रावे कार्यक्रम के तहत ग्राम उझियानी में हुई किसान गोष्ठी

किसी भी फसल अवशेष व पराली में आग लगाना कानूनी अपराध है : प्राचार्य

चेतना कार्यालय/ बकेवर। जनता कॉलेज बकेवर कृषि छात्रों के रावे कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम परसूपुरा में एक किसान गोष्ठी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जनता कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी के निर्देशानुसार रावे कार्यक्रम के संयोजक डॉ एमपी सिंह ने कहा कि इस समय धान की कटाई चल रही है किसान फसल अवशेषों विशेषतः पराली में आग लगा देते हैं किसी भी फसल अवशेष या पराली में आग लगाना कानूनी अपराध है, अतः किसान धान की पराली का उचित प्रबंध विभिन्न तरीके से करें। जैसे पराली से भूसा बनाना, कंपोस्ट बनाना, फसल अवशेषों व पराली को भूमि में जोत कर मिलाकर सड़ा गला कर खाद बनाना आदि तरीके से उचित उपयोग कर सकते हैं, साथ ही पहली सिंचाई बुवाई के 21 से 25 दिन बाद व अन्य सिंचाई 20 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए दिसंबर माह में बुवाई लेट होती है यदि करनी पड़े तो गेहूं के बीज की सिफारिश बीज की मात्रा सवा गुनी अधिक करें व बुवाई के समय यूरिया का इस्तेमाल न कर जैविक खाद कंपोस्ट एवं डीएपी या एनपीके का प्रयोग करें। गोष्ठी में उपस्थित विषय विशेषज्ञ एसडीओ कृषि हर्ष कुमार ने कृषि संबंधी विभिन्न योजनाओं और किसानों को दी जाने वाली छूट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कृषि यंत्रीकरण किसान सम्मान निधि, नलकूप सुविधा आदि का लाभ किसानों को उचित प्रक्रिया के माध्यम से उठाना चाहिए।

अदालती नोटिस

कानपुर, शनिवार 19 अक्टूबर, 2024

आमदनी बढ़ाने के लिए पशुपालन करें किसान

● रावे कार्यक्रम के अंतर्गत किसान गोष्ठी का आयोजन

बीज उत्पादन तकनीकी एवं अच्छे निरोग स्वस्थ बीज एवं अधिक उपज देने वाली प्रजातियों को बोने की सलाह दी। डॉ आदित्य कुमार ने कृषि के साथ-साथ पशुपालन करने की सलाह दी। डा मनोज कुमार यादव ने बताया कि धान में फाल्स स्मट रोग के नियंत्रण के लिए प्रोपकोनाजोल 0.2प्रतिशत का प्रयोग करना चाहिए। गेहूं की बुवाई से पूर्व कंडवा रोग से बचने के लिए बीज को वीटावैक्स ढाई ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। ग्राम प्रधान देवेंद्र कुमार ने आभार जताया। गोष्ठी में ग्रीस, यशोदानंद चिंतामणि, श्रीकृष्ण, देवेंद्र कुमार, रुपाली राम, रामानंद, सुरेश चंद्र तिवारी, राकेश नारायण, अमर सिंह, गौरीशंकर, चंद्र मोहन तिवारी, प्रहलाद सिंह, हरिश्चंद्र, दिनेश कुमार, जगदीश, रूप सिंह, ज्ञान सिंह, राम रतन उपस्थित रहे।

किसान गोष्ठी में पराली न जलाने की दी सलाह

लखना । जनता कॉलेज बकेवर कृषि छात्रों के रावे कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम परसूपुरा में एक किसान गोष्ठी/ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

जनता कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी के निर्देशानुसार रावे कार्यक्रम के संयोजक डॉ एमपी सिंह ने कहा कि इस समय धान की कटाई चल रही है किसान फसल अवशेषों विशेषतः पराली में आग लगा देते है किसी भी फसल अवशेष या पराली में आग लगाना कानूनी अपराध है। अतः किसान धान की पराली का उचित प्रबंध विभिन्न तरीके से करें। गोष्ठी में डॉ.मनोज यादव ने फसल सुरक्षा उपाय के अंतर्गत बताया कि टमाटर में रोग नियंत्रण के लिए टमाटर के खेत में इंटरक्रॉपिंग के रूप में गेंदा उगाएं तथा रबी फसलों की बुवाई करने से पूर्व बीजों को आवश्यक रूप से बीटा वैक्स 2 से 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें या ट्राइकोडर्मा 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करने के बाद ही बुवाई करें। गोष्ठी में उपस्थित विषय विशेषज्ञ एसडीओ कृषि हर्ष कुमार ने कृषि संबंधी विभिन्न योजनाओं और किसानों को दी जाने वाली छूट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कृषि यंत्रीकरण किसान सम्मान निधि, नलकूप सुविधा आदि का लाभ किसानों को उचित प्रक्रिया के माध्यम से उठाना चाहिए.गोष्ठी की अध्यक्षता ग्राम प्रधान हाकिम सिंह ने की। गोष्ठी में भारी संख्या में क्षेत्रीय किसान व रावे के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आज इटावा

एक दिवसीय मशरूम की खेती का दिया गया प्रशिक्षण

रावे कार्यक्रम के तहत उझियानी में की गई किसान गोष्ठी

रावे कार्यक्रम के अंतर्गत जनता कॉलेज उझियानी में सम्पन्न हुई किसान गोष्ठी

वैज्ञानिक बोले ! किसान रबी फसलों की समय से करें बुवाई

राष्ट्र पटल

किसान गोष्ठी में वैज्ञानिकों की सलाह, किसान रबी फसलों की समय से करें बुवाई

पराली में न लगाएं आग, बनाएं खाद

रावे के तहत परसूपुर गांव में हुआ किसान गोष्ठी एवं प्रशिक्षण का आयोजन

Programme in College Campus and Outreach in Various Villages

Programme in College Campus

S. N.	Date	Particulars	Participants Farmers& Students	Name of Expert
1.	23.11.2023	Krishi Gosthi and Training Programme	98	1. Prof. P.K. Rajput 2. Prof. M.P. Singh 3. Dr. S. K. Vishwakarma
2.	29.11.2023	Krishi Gosthi and Training Programme	56	1. Mr. Madan Kumar, BM, CBI 2. Mr. Dileep Kumar, ADO (Ag) 3. Mr. Vinesh Mishra, DVO 4. Mr. Anil Veer Singh 5. Prof. M.P. Singh 6. Dr. M.K. Yadav
3.	28-29.02.2024	Organic Farmers fair and Exhibition, Kishan Gosthi and Convention	500	1. Dr. R.N. Singh, DDA 2. Mr. Pramod Kumar, BSA/ SDO 3. Mr. Shyam Singh, DHO 4. Prof. M.P. Singh 5. Dr. Manoj Kumar Yadav
Outreach Programme in Adopted Villages				
1.	18.10.2023	Krishi Gosthi and FarmersTraining Programme in Naglabani	142	1. Prof. M.P. Singh 2. Dr. Aditya Kumar 3. Dr. Sanjeev Kumar 4. Dr. Manoj Kumar Yadav
2.	01.11.2023	Krishi Gosthi and FarmersTraining Programme in Vyaspura	79	1. Prof. M.P. Yadav 2. Prof. P.K. Rajput 3. Prof. M.P. Singh 4. Dr. Aditya Kumar 5. Dr. Manoj Kumar Yadav
3.	21.11.2023	Krishi Gosthi and FarmersTraining Programme in Bijauli	104	1. Prof. M.P. Yadav 2. Prof. P.K. Rajput 3. Prof. M.P. Singh 4. Dr. Aditya Kumar 5. Dr. Manoj Kumar Yadav
4.	23.11.2023	RAWE Training Programme in	98	1. Dr. Manoj Kumar, ETO 2. Prof. P.K. Rajput

GLIMPSES OF THE PROGRAMMES

पशु प्रदर्शनी में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले पशु पालक हुए पुरस्कृत

जनता कालेज में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

अवधनामा

जनता कालेज बकेवर में शुरू हुई उत्तर प्रदेश की पहली स्नेक बाइट हेल्पडेस्क

टिड्डी से बचने को करें तेल का छिड़काव

बकेवर | हिन्दुस्तान संवाद

जनता कालेज के प्राध्यापकों की टीम नें नगला बनी गाँव के किसानों से मुलाकात की और उन्हें टिड्डी की रोकथाम के सम्बंध में कई जानकारी दीं। उन्होंने बताया कि किस तरह से वह जुताई कर व दवाई का छिड़काव कर टिड्डी के प्रकोप से बच सकते हैं।

जनता कालेज के शस्य वैज्ञानिक डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि टिड्डियों के आने के बाद बलुई भूमि वाले खेतों की गहरी जुताई करें जिससे टिड्डी के अण्डे नष्ट हो जाएं व टिड्डी आने के पूर्व दोमट भूमि में जुताई न करें साथ ही खेतों की साफ सफाई करें। उन्होंने बताया कि किसान भाई खेतों के चारो तरफ गेंदे के पौधे लगाये, साथ ही खड़ी फसलों में नीम के तेल अथवा गोबर के घोल का छिड़काव करें। इससे टिड्डी के प्रकोप से फसलों को बचाया जा सकता है। कालेज के उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. संजय विश्वकर्मा ने फेरोमोन ट्रैप व लाईट ट्रैप विधि से टिड्डी के नियंत्रण के बारे में बताया। कालेज के वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक डॉ. डीएन सिंह ने बताया कि टिड्डी का प्रकोप हो तो उसकी रोकथाम के लिए मैलाथियान पाउडर का छिड़काव सुबह के समय में करें या फिर क्लोरपाइरीफॉस की चारलीटर मात्रा को एक हजार लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से टिड्डी से फसल को बचाया जा सकता है। इस मौके पर नगला बनी गाँव के किसान लालाराम दोहरे, विनय कुमार, विद्या सागर, बृजेश सिंह यादव, राधाचरन, अजय पाल सिंह, साधना, राम देव, शिवराम सिंह, राधेश्याम, कमलेश बाबू, सुनील बाबू, लाखन सिंह व मोहन लाल मौजूद रहे।

किसानों को जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक • हिन्दुस्तान

जनता कालेज में दो दिवसीय कृषि विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

GLIMPSES OF THE FARMER FAIR PROGRAMMES -2022-23

गो आधारित प्राकृतिक खेती करें किसान

बकेवर। कृषि विभाग की ओर से जनता कॉलेज में गो आधारित प्राकृतिक खेती एवं फसल प्रबंधन को लेकर गोष्ठी और किसान मेला का आयोजन किया। उनिदेशक कृषि ने जल, जमीन और वातावरण को सही और सुरक्षित रखने पर जोर दिया।

प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने गो आधारित प्राकृतिक कृषि के महत्व का जिक्र किया। उपनिदेशक कृषि आरएन सिंह ने कीटनाशकों के कम प्रयोग पर जोर दिया। गोमूत्र, गोबर इत्यादि का खेती में इस्तेमाल पर जोर दिया।

किसान मेले में कृषि विशेषज्ञों ने किया प्रेरित

उन्होंने कहा कि पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन रोग प्रबंधन, मृदा प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपाय अपनाकर किसान दोगुना उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। डॉ.मनोज यादव ने बीज के संशोधन के बारे में बताया। डॉ.आदित्य कुमार ने पशुपालन एवं पशु रोग प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. आशीष त्रिपाठी ने कृषि में सांपों के महत्व की जानकारी दी।

उद्यानिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. एमपी यादव, जितेंद्र, डॉ. मनोज यादव डॉ. डीएन सिंह, डॉ.पीके राजपूत, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. डीजे.मिश्रा, डॉ.संजय विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे। (संवाद)

गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं फसल प्रबंधन संगोष्ठी एवं किसान मेला का आयोजन हुआ।

जनता कॉलेज बकेवर में आज दिनांक 12/01/2023 को व्यायामशाला में कृषि विभाग , इटावा के सौजन्य से गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं फसल प्रबंधन संगोष्ठी एवं किसान मेला का आयोजन हुआ। कॉलेज के प्राचार्य डा राजेश किशोर त्रिपाठी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जैविक खेती के बारे में बताते हुए अपने प्राचीन इतिहास में गौ आधारित प्राकृतिक कृषि के महत्व का जिक्र किया। कार्यक्रम में कृषि विभाग इटावा के कृषि उपनिदेशक श्री आर.एन सिंह ने कीटनाशकों के कम प्रयोग पर जोर दिया। गौ के उत्पाद जैसे गौ मूत्र, गोबर इत्यादि पर बल दिया।

गोबर से बनने वाले उत्पाद "ह्यूमस मिट्टी बचाए देश बचाए" पर विशेष ध्यान दिया दिया तथा कृषि विभाग के विभिन्न योजनाओं तथा उसके लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम में डा एम पी सिंह ने समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत प्रत्येक जीव पर्यावरण एवं भूमि को सुरक्षित रखने के महत्व को बताया कि समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन , कीट प्रबंधन रोग प्रबंधन, मृदा प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपाय अपनाकर किसान दोगुना उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत यदि किसान रसायनों का प्रयोग कम कर जैव उत्पादों पर आधारित प्राकृतिक खेती करने के तरीके अपनाएंगे तो सबकुछ सुरक्षित रहेगा और उत्पादन भी बढ़ेगा । उन्होंने भी यह बताया कि खरपतवार प्रबंधन में किसान अत्यधिक खतरनाक रसायनों का प्रयोग करते हैं यदि उसके स्थान पर फसल चक्र ढ्वत प्लेस विधि आदि शस्य विधियां अपनाकर सुरक्षित उत्पादन ले सकते हैं।

डा. मनोज यादव ने बीज के संशोधन के बारे में बताया। सांपों का महत्व बताया डॉक्टर आदित्य कुमार ने पशुपालन एवं पशु रोग प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ आशीष त्रिपाठी ने कृषि में सांपों के महत्व को विस्तार रूप से प्रस्तुत किया। उद्यानिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ एम पी यादव ने मौसमी फलों एवं सब्जियों की जैविक विधि से करने की के तरीके बताएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंबल वैली फार्म्स प्राइवेट कंपनी लिमिटेड चकरनगर के मुख्य प्रभारी जितेंद्र ने अपना स्टाल लगाकर आए हुए किसानों को खाद एवं दवा के बारे में जानकारी दी। कॉलेज के पादप रोग विज्ञान,वनस्पति विज्ञान तथा बायो टेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त स्टॉल में मशरूम की खेती, मिट्टी परीक्षण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके उपरांत किसानों को शत-शत विज्ञान के प्रदर्शनी पर क्षेत्र में भ्रमण कराकर गेहूं के विभिन्न प्रजातियों के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर मनोज यादव ने किया। इस मौके पर कालेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डीएन सिंह, डॉ पीके राजपूत, डॉ धर्मेंद्र कुमार,डॉ संजीव कुमार, डॉ डीजे मिश्रा, डॉ संजय विश्वकर्मा, लेफ्टिनेंट ब्रह्मानंद, डॉ

किसान मेला कृषि विभाग की ओर से जनता कॉलेज में लगा मेला, खेती में गौ उत्पादों का प्रयोग फसल उत्पादन में लाता है वृद्धि

जैविक खेती से बढ़ जाती फसलों की पैदावार : सिंह

अमृत विचार , बकेवर

जनता कॉलेज बकेवर में व्यायामशाला में कृषि विभाग के सौजन्य से गौ आधारित प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन और किसान मेले का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने शुरुआत करते हुए जैविक खेती के बारे में बताया। प्राचीन इतिहास में गौ आधारित प्राकृतिक कृषि के महत्व का जिक्र किया। कृषि उपनिदेशक आरएन सिंह ने कीटनाशकों के कम प्रयोग पर जोर दिया। गौ के उत्पाद जैसे गौ मूत्र, गोबर इत्यादि के प्रयोग पर बल दिया।

किसान गोष्ठी में उपस्थित डीडी कृषि आरएन सिंह व प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर।

कार्यक्रम में डॉ. एम पी सिंह ने समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत प्रत्येक जीव पर्यावरण एवं भूमि को सुरक्षित रखने के महत्व को बताया । समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन रोग प्रबंधन, मृदा प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपाय अपनाकर किसान दोगुना उत्पाद प्राप्त कर सकते हैं। समन्वित फसल प्रबंधन के अंतर्गत यदि किसान रसायनों का प्रयोग कम कर जैव उत्पादों पर आधारित प्राकृतिक खेती करने के तरीके अपनाएंगे तो सबकुछ सुरक्षित रहेगा और उत्पादन भी बढ़ेगा ।

डा. मनोज यादव ने बीज के संशोधन के बारे में बताया व सांपों का महत्व बताया। डॉ आदित्य कुमार ने पशुपालन एवं पशु रोग प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ आशीष त्रिपाठी ने कृषि में सांपों के महत्व को विस्तार रूप से प्रस्तुत किया। उद्यानिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ एम पी यादव ने मौसमी फलों एवं सब्जियों की जैविक विधि से करने की के तरीके बताएं। चंबल वैली फार्म प्राइवेट कंपनी लिमिटेड चकरनगर के मुख्य प्रभारी जितेंद्र ने अपना स्टाल लगाकर आए हुए किसानों को खाद एवं दवा के बारे में जानकारी दी। कॉलेज के पादप रोग विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा बायो टेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त स्टॉल में मशरूम की खेती, मिट्टी परीक्षण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके उपरांत किसानों को शत-शत विज्ञान के प्रदर्शनी पर क्षेत्र में भ्रमण कराकर गेहूं के विभिन्न प्रजातियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर मनोज यादव ने किया। इस मौके पर कालेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डीएन सिंह, डॉ पीके राजपूत, डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ संजीव कुमार, डॉ डीजे मिश्रा, डॉ संजय विश्वकर्मा, लेफ्टिनेंट ब्रह्मानंद, डॉ अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ गोपीनाथ मौर्य, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ आनंद सिंह, डॉ संतोष पंदेल आदि सहित इटावा जनपद के किसान, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं एवं के छात्र उपस्थित रहे।

- कृषि विशेषज्ञों ने रसायनिक खेती से बचने की दी सलाह
- मौसमी फलों और सब्जियों की खेती के बारे में बताया गया

CONSULTANCY TO FARMERS

SESSION -2023-24

S.N.	NAME OF FARMER	VILLAGE OF FARMER	PROBLEMS	SOLUTION
1.	Rishi Yadav	Rukanpur	Rotting in Radish	1. Proper drainage in Field 2. Avoid heavy Irrigation 3. Drenching with formalin
2.	Aman Kumar	Kalyanpur	Anna Pratha	1. Spraying of Cow Dung and Neem Oil Mix 2. Use of hedge
3.	Alok Kumar Verma	Kushaila	Pest in Guava	1. Neem Oil/ Diamethoate Spray 2. Concern on mrig bahar Crop
4.	Ankit kumar	Jaspura	Pest in Tomato	1. Neem Oil/ Diamethoate Spray 2. Light trap 3. Marigold Plantation in Tomato Crop
5.	Shiv Kumar Shakya	Auraiya	Wilt of Brinjal	1. Grow resistance Variety 2. Drenching with Formalin 3. Spray nematicide/ Fungicide
6.	Sachin Jaiswal	Kunalpur	Kitchen Compost	1. Kitchen Composting preparation techniques

CONSULTANCY TO FARMERS

SESSION -2022-23

S.N.	NAME OF FARMER	VILLAGE OF FARMER	PROBLEMS	SOLUTION
1.	Devi Singh	Nagla Mardaan	Blight in Potato	1. Late blight: to Managed by spraying of Ridomil @ 0.2% 2. Avoid heavy dose of N2 fertilizers
2.	Krishna Kumar	Parsaana	Termite in Potato Crop	1. Spraying of Chloripyriphos @1 Liter/ha with Irrigation Water
3.	Sanjay	Kathawara	Rotting in Papaya Root	1. Drainage system Improvement 2. Soil drenching with bavistin
4.	Shivam Singh	Devmanpurt	Termite problem	1. Spraying of Chloripyriphos @1 Liter/ha with Irrigation Water
5.	Shobhit Kumar	Balamau	Annaprath	1. Dung with neem oil spray
6.	Ashok Kumar Yadav	Navedapura	Dropping of Fruit in Pomegranate	1. Use of Micronutrient/ balance Nutrients 2. Application of FYM 3. Training and Pruning mandatory

CONSULTANCY TO FARMERS

SESSION -2021-22

S.N.	NAME OF FARMER	VILLAGE OF FARMER	PROBLEMS	SOLUTION
1.	Nripendra singh	Himaunpur	Dropping of Mango Flower	1. Cultural practice- Intercultural, Ploughing after vermicompost application 2. Borax application
2.	Shivdeep Singh	Himmatpura	Crinkling of Banana leaves	1. Application of Compost 2. Hedge/ shelter belt should be use
3.	Vishal kumar	Anepura	Blight in Potato	1. Late blight: to Managed by spraying of Ridomil @ 0.2% 2. Avoid heavy dose of N2 fertilizers
4.	Rahul kumar	Lohiyanagar	Weeds problem in Carrot	1. Summer deep ploughing by disc harrow 2. Intercultural operation Timely
5.	Sachin Kumar	Ayana auraiya	Monkey problem in Orchard	1. Keep a Langoor pet 2. Apply Sound System

CONSULTANCY TO FARMERS

SESSION -2020-21

S.N.	NAME OF FARMER	VILLAGE OF FARMER	PROBLEMS	SOLUTION
1.	Lala Ram	Naglabani	Locust problem	1. Spraying of Imidacloprid 2. Marigold Plantation
2.	Vinay Kumar	Naglabani	Anna Pratha	1. Spraying of Cow Dung and Neem Oil Mix 2. Use of hedge
3.	Vidya sagar	Naglabani	Pest in Guava	1. Neem Oil/ Diamethoate Spray 2. Concern on mrig bahar Crop
4.	Ajay pal	Naglabani	Pest in Tomato	1. Neem Oil/ Diamethoate Spray 2. Light trap 3. Marigold Plantation in Tomato Crop
5.	Kamlesh Babu	Naglabani	Wilt of Brinjal	1. Grow resistance Variety 2. Drenching with Formalin 3. Spray nematicide/ Fungicide

CONSULTANCY TO FARMERS

SESSION -2019-20

S.N.	NAME OF FARMER	VILLAGE OF FARMER	PROBLEMS	SOLUTION
1.	Pasarnam singh	Aamahar	Parali problem	1. To Grow mushroom 2. Manage the parali by ploughing or prepared composting
2.	Chandra shekhar	Dhaurika	Insect problem in Bitter guard	1. Spray imidacloprid 2. Malathian 3. Use of Trping
3.	Parvindra kumar	Dhaurika	Yellowing in rice	1. Zinc sulphate application
4.	Shivam kumar	Bakewar	Insect problem in Paddy	1. Spray imidacloprid
5.	Tulsiram	Ayana auraiya	Monkey problem in Orchard	1. Keep a Langoor pet 2. Apply Sound System

CONSULTANCY TO FARMERS

SESSION -2018-19

S.N.	NAME OF FARMER	VILLAGE OF FARMER	PROBLEMS	SOLUTION
1.	Jitendra kumar	Nagla Mardaan	Neelgaay and Saand problem	1. Dung with neem oil spray
2.	Rinku Yadav	Bhartiya	Loose smut of Wheat	1. Seed treated with Vitavax 2. Removal of Diseased Plant
3.	Hariom Yadav	Basrehar	Apphid in Mustard	1. Spray of Dimethioate
4.	Shiv data singh	Bharthana	Foot mouth disease of Cow	1. Timely Vaccination 2. Sanitation of yard
5.	Avdesh Kumar	Bharthana	Agronomic practices of potato	1. Timely agricultural Practices in Potato 2. Dehulming
6.	Manikant dixit	Mahewa	Dropping of Mango Flower	1. Cultural practice- Intercultural, Ploughing after vermicompost application 2. Borax application

GLIMPSES OF THE FARMER FAIR PROGRAMMES

अमर उजाला युवा

छात्रों से तकनीकी खेती सीखेंगे किसान

रावे कार्यक्रम के तहत महेवा के 11 गांवों के किसानों को जानकारी देंगे कृषि स्नातक के छात्र

संवाद न्यूज एजेंसी

बकेवर। जनता कॉलेज के कृषि स्नातक पाठ्यक्रम के सातवें और आठवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के तहत चयनित गांवों के प्रगतिशील किसानों से जोड़ा गया है।

छात्र गांव में किसानों से संपर्क कर उन्हें व्यावहारिक ज्ञान, नवीनतम तकनीकी, फसल के उत्पादन में आने वाली समस्याओं के बारे में बताएंगे।

नए शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत ब्लॉक महेवा के उझियानी, भवानीपुर, महेवा बस्ती, रानीपुरा, नगला बनी, आमहार, पुठिया, भीम नगर, सराय मिठ्ठे, बिजौली एवं परसुपुरा गांव का चयन किया गया है।

जनता कॉलेज में बैठक में शामिल शिक्षक। संवाद

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के संयोजक तथा मृदा संरक्षण विभाग अध्यक्ष डॉ. पीके राजपूत के निर्देशन में प्रत्येक चयनित गांव में 10-10 प्रगतिशील किसानों का चयन छात्र स्वयं करेंगे और कृषि उत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन करके उनके निदान के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान करेंगे।

उन्होंने बताया कि छात्र प्रत्येक गांव का ऐतिहासिक विवरण, गांव की प्रमुख समस्याओं का आकलन तथा फसलों उत्पादन के लिए मृदा परीक्षण, नवीनतम प्रजातियों का चयन, बीज उपचार, जैविक खेती संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश, फसल सुरक्षा, वर्षा जल का संचयन, भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने के बारे में किसानों को जागरूक करेंगे।

रावे कार्यक्रम के संरक्षक प्राचार्य डॉ. आरके त्रिपाठी ने कहा कि यह कार्यक्रम सभी चयनित गांव में पूरे मनोयोग से चलाया जाएगा।

प्रत्येक चयनित गांव में उद्यानिकीकरण कृषि वानिकी तथा सब्जी उत्पादन के साथ-साथ नवीन कृषि पद्धतियों का प्रचार प्रसार छात्र करेंगे। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एमपी यादव ने छात्रों से कहा कि कृषि लागत कम करके टिकाऊ खेती पर बल दिया जाएगा।

किसानों के जीवन स्तर एवं आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए समन्वित फसल उत्पादन तकनीकी पर जोर दिया जाएगा।

इस अवसर पर कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एके पांडे, डॉ. एमपी सिंह, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. मनोज यादव, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. एपी सिंह, डॉ. संजय विश्वकर्मा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. आदित्य कुमार रहे।

खेती-किसानी | जनता कालेज बकेवर कृषि शिक्षा एवं प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बना

किसानों को दी कृषि तकनीक की जानकारी

संवाददाता बकेवर, इटावा

स्वतंत्र चेतना 5

www.swatantrachetnanews.com

जनता कॉलेज में रावे विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

जनता कॉलेज में कृषि संकाय के विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

छात्र-छात्राओं, किसानों को कृषि योजनाओं के लाभ बताए

बकेवर कॉलेज में हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि गोष्ठी में शामिल छात्र छात्राएं। संवाद

GLIMPSES OF THE FARMER FAIR PROGRAMMES

@चेत

छात्रों को एक दिवसीय मशरूम की खेती के लिये दिया गया प्रशिक्षण

चेतना कार्यालय

बकेवर। जनता कॉलेज में स्नातक कृषि के अंतिम वर्ष के छात्रों को मशरूम की खेती करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने मशरूम की खेती का प्रशिक्षण कराया। डॉ यादव ने ओयस्टर मशरूम की उपयोगिता को बताते हुए इसकी खेती करने का क्रमबद्ध ढंग से प्रशिक्षण कराया। उन्होंने बताया कि ओयस्टर मशरूम की खेती करना बहुत ही आसान है जिसको उगाने के लिए फसलों के अवशेष की आवश्यकता पड़ती है। फसल अवशेष या भूसे को 10 से 12 घंटे के लिए पानी में भिगो देते हैं। तथा भूसे का निर्जीवीकरण करने के लिए पानी में ही दो प्रतिशत फॉर्मलीन मिला देते हैं तथा भूसा भिगोने के बाद उसको ढक दिया जाता है। बाद में पानी से भूसा निकाल कर फर्श पर भूसे को सुखाया जाता है लगभग 60 से 70% नमी रहने पर उसमें 4 किलो स्पान (मशरूम का बीज) प्रति कुन्तल भूसे की दर से मिला देते हैं। मशरूम का सबसे ज्यादा उपयोग उसकी औषधीय गुणों के कारण किया जाता है। इस मौके पर कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.एम.पी. यादव, डॉ.पी.के.राजपूत, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ.आदित्य कुमार, डॉ.अलका देव तथा विभाग के कर्मचारी राजकुमार वर्मा, मनोज दीक्षित, मुकेश कुमार, दामोदर तथा उन्नतिशील किसान निर्देश कुमार व अलंकार सहित छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

रावे कार्यक्रम के तहत ग्राम उझियानी में हुई किसान गोष्ठी

चेतना कार्यालय

बकेवर। रावे कार्यक्रम के अंतर्गत जनता कॉलेज बकेवर के कृषि स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा एक किसान गोष्ठी/ प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम उझियानी में कराया गया। जिसमें किसान गोष्ठी/ प्रशिक्षण के संयोजक डॉ.एम.पी.सिंह ने सभी विषय विशेषज्ञों एवं किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि रावे कार्यक्रम के अंतर्गत जनता कॉलेज बकेवर प्रत्येक वर्ष महेवा ब्लाक के अंतर्गत किसान गोष्ठी एवं प्रशिक्षण का आयोजन कर नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकी जानकारी किसानों तक पहुंचाने का कार्य करता है जिससे किसान आधुनिक नवीनतम तकनीकी के माध्यम से खेती करते हैं, यह समय रबी फसल की बुवाई का समय है अक्टूबर माह में सरसों एवं आलू व नवंबर माह में गेहूं, जौ, जई की बुवाई का उपयुक्त समय होता है। इटावा परिक्षेत्र के किसान अधिकांशतः धान-गेहूं फसल चक्र करते हैं जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति में गिरावट होती है इसलिए किसानों को फसल अदल-बदल कर करनी चाहिए और मक्का -लाही -गेहूं -मूंग या उर्दू -सरसों- एमपी चारी या अरहर+ ज्वार-गेहूं मूंग/उर्द/कद्दू वर्गीय फसल उगानी चाहिए। डॉ. मनोज कुमार यादव ने फसलों के रोग व नियंत्रण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभी धान में प्रमुख रूप से फाल्स स्मट रोग लग रहा है इसके नियंत्रण के लिए प्रोपाकोनाजोल 0.2प्रतिशत का प्रयोग करना चाहिए साथ ही गेहूं की बुवाई से पूर्व कंडवा रोग से बचने के लिए बीज को वीटावैक्स ढाई ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। अंत में ग्राम प्रधान देवेंद्र कुमार ने कृषक गोष्ठी को किसानों के लिए अति महत्वपूर्ण बताते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। गोष्ठी में प्रमुख रूप से ग्रीस, यशोदानंद चिंतामणि, श्री कृष्ण, देवेंद्र कुमार रूपाली राम, रामानंद, सुरेश चंद्र तिवारी, राकेश नारायण, अमर सिंह गौरीशंकर ,चंद्र मोहन तिवारी, प्रहलाद सिंह ,हरिश्चंद्र, दिनेश कुमार, जगदीश, रूप सिंह, ज्ञान सिंह, राम रतन आदि कृषक उपस्थित रहे।

आमदनी बढ़ाने के लिए पशुपालन करें किसान

संवाददाता, बकेवर

- रावे कार्यक्रम के अंतर्गत किसान गोष्ठी का आयोजन

अमृत विचार। जनता कॉलेज बकेवर के कृषि स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने रावे कार्यक्रम के तहत ग्राम उझियानी में किसान गोष्ठी का आयोजन किया। संयोजक डॉ एमपी सिंह ने कहा कि नवीनतम वैज्ञानिक तकनीक किसानों तक पहुंचाना है। किसान नवीनतम तकनीकी के माध्यम से खेती करते हैं। अक्टूबर माह में सरसों एवं आलू व नवंबर माह में गेहूं, जौ, जई की बुवाई का उपयुक्त समय होता है।

डॉ सिंह ने सरसों में उपज बढ़ाने के लिए थिनिंग, टॉपिंग व शस्य रसायनों के प्रयोग करने एवं गेहूं की उपज बढ़ाने के लिए एचडी 2967 प्रजाति लाइन में बोकर 21 से 25 दिन बाद पहली सिंचाई कर निराई करने व पोषक तत्व देने की सलाह दी। वरिष्ठ प्राध्यापक डा एमपी यादव ने फलोत्पादन तकनीकी एवं बागवानी में रोग व निदान के बारे में जानकारी दी। रावे संयोजक डा पीके राजपूत, डा धर्मेंद्र कुमार ने बीज उत्पादन तकनीकी एवं अच्छे निरोग स्वस्थ बीज एवं अधिक उपज देने वाली प्रजातियों को बोने की सलाह दी। डॉ आदित्य कुमार ने कृषि के साथ-साथ पशुपालन करने की सलाह दी। डा मनोज कुमार यादव ने बताया कि धान में फाल्स स्मट रोग के नियंत्रण के लिए प्रोपाकोनाजोल 0.2प्रतिशत का प्रयोग करना चाहिए। गेहूं की बुवाई से पूर्व कंडवा रोग से बचने के लिए बीज को वीटावैक्स ढाई ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। ग्राम प्रधान देवेंद्र कुमार ने आभार जताया। गोष्ठी में ग्रीस, यशोदानंद चिंतामणि, श्रीकृष्ण, देवेंद्र कुमार, रूपाली राम, रामानंद, सुरेश चंद्र तिवारी, राकेश नारायण, अमर सिंह, गौरीशंकर, चंद्र मोहन तिवारी, प्रहलाद सिंह, हरिश्चंद्र, दिनेश कुमार, जगदीश, रूप सिंह, ज्ञान सिंह, राम रतन उपस्थित रहे।

रावे कार्यक्रम के तहत उझियानी में की गई किसान गोष्ठी

गोष्ठी को सम्बोधित करते डॉ. एम.पी. सिंह।

[illegible]

रावे कार्यक्रम के अंतर्गत जनता कॉलेज उझियानी में सम्पन्न हुई किसान गोष्ठी

गोष्ठी में शामिल प्रशासक एवं छात्र।

[illegible]

GLIMPSES OF THE FARMER FAIR PROGRAMMES

वैज्ञानिक बोले ! किसान रबी फसलों की समय से करें बुवाई

किसान गोष्ठी को सम्बोधित करते डॉ. एमपी सिंह।

बकेवर (इटावा) 24 अक्टूबर। जनता कॉलेज द्वारा रावे कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पुठियां में प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी के निर्देशन में कृषक गोष्ठी/ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

उक्त कृषक गोष्ठी के संयोजक डॉ. एम. पी. सिंह ने कहा कि किसानों को खेती-बाड़ी से अधिक आय प्राप्त करने के लिए सभी कृषि क्रियाएं जैसे जुताई, बुवाई, निराई सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण, कीट एवं रोग नियंत्रण, कटाई व मढाई समय से करने चाहिए, साथ ही कहा कि सुरक्षित फसलोत्पादन के लिए जो किसान अंधाधुंध रसायनों जैसे उर्वरकों कीटनाशकों, फफूंदीनाशक एवं खरपतवारनाशियों का प्रयोग कर रहे हैं, उन्हें रसायनों का कम से कम प्रयोग करके जैव उत्पादों का प्रयोग जैसे गोबर की खाद, कंपोस्ट खाद, वर्मी कंपोस्ट, बायो फंजीसाइड ,बायो इंसेंटिसाइड के प्रयोग के साथ-साथ शस्य व यांत्रिक विधियों का प्रयोग करना चाहिए, जिससे भूमि, जल मनुष्य, पशु व पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

रावे संयोजक डॉ.पी.के. राजपूत ने भूमि एवं जल संरक्षण तकनीकी के अंतर्गत बताया कि खेत का पानी खेत में रखने के लिए खेत का समतलीकरण मेड़बंदी करके गर्मियों में गहरी जुताई करनी चाहिए। साथ ही फसल अवशेषों को खेत में जोत कर मिलाने के पश्चात सिंचाई कर देनी चाहिए जिससे वह पूर्ण रूप से डी कंपोज्ड हो जाएं। साथ ही खेत में सनई की हरी खाद करने से खरपतवार भी कम होते हैं और खेत भी मजबूत होता है। डॉ.ए.पी सिंह ने कहा कि विभिन्न वैज्ञानिक विभिन्न प्रकार की तकनीकी पैदा करते हैं यदि सही समय पर किसानों तक वह तकनीकी नहीं पहुंच पाती है तो वह औचित्यहीन हो जाती है इसलिए जनता कॉलेज बकेवर के विद्यार्थियों द्वारा नवीनतम तकनीकी ज्ञान किसानों तक पहुंचाने के लिए कॉलेज गांव अडॉप्ट करता है और संबंधित गांव में विद्यार्थी जाकर नवीनतम तकनीकी की जानकारी देते हैं। उद्यान विज्ञान के डॉ.आनंद सिंह ने फल उत्पादन एवं सब्जी उत्पादन की नवीनतम तकनीकी की जानकारी देते हुए किसान क्रेडिट कार्ड व लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। डॉ.एस.के. एस चंदेल ने समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं उर्वरकों के सही प्रयोग की जानकारी देते हुए कहा कि फसलों में आवश्यकतानुसार ही किसानों को खाद एवं उर्वरक देना चाहिए।

इस अवसर पर रावे के प्रभारी अभिषेक प्रताप सिंह व कार्यक्रम का संचालन कॉलेज क्रियाकलाप समिति के संयोजक डा. डी.जे. मिश्रा ने किया।

किसान गोष्ठी: किसान रबी फसलों की समय से करें बुवाई

राष्ट्र पटल
इटावा, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024

किसान गोष्ठी में वैज्ञानिकों की सलाह, किसान रबी फसलों की समय से करें बुवाई

राष्ट्र पटल संवाद

GLIMPSES OF THE FARMER FAIR PROGRAMMES

4. दैनिक जागरण कानपुर, 27 नवंबर 2018 www.jagran.com

खेती का विज्ञान अगर किसानों को किस्मत पलटनी है तो गोबर की खाद से खेती करें

गोबर, मैला, नीम की खली, इनसे खेती दूनी फली

गोबर, मैला, नीम की खली, इनसे खेती दूनी फली.. घाघ का कहना है-कि गोबर, मैला और नीम की खली छोड़ने से पैदावार दूना होती है। जेकरे खेत पड़ा नहीं गोबर, उस किसान को जानो दूबर.. यानी जिस किसान के खेत में गोबर की खाद नहीं पड़ी, वह गरीब या दरिद्र है। गोबर, मैला, पाती सड़े, तब खेती में दाना पड़े.. जब खेत में गोबर, मैला और पत्तियां सड़ती है, तब पैदावार अच्छी होती है।

संवाद सूत्र, बकेवर : खेत में लगे खाद के कूरे, खेप या उसके ढेरों के स्थान पर अच्छी पैदावार होने से कोई टाल नहीं सकता है। भले ही ब्रह्मा का लिखा वाक्य टल जाए। जो किसान अपने खेत में गोबर, चोकर, चकवर व अरूसा नहीं छोड़ता उसको अन्न को कौन कहे, भूसा भी नहीं होता। जी हां, घाघ ने इन कहावतों में जो बातें बताई हैं, उसे परंपरा के साथ अब वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। मत एक ही है। अगर किस्मत पलटनी है तो गोबर की खाद से खेती करें। इससे भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ जाती है।

गोबर खाद से बढ़ती है पैदावार

पौधों की वृद्धि के लिए 13 तत्वों की जरूरत होती है। इसमें नत्रजन, स्फोर, कार्बन, हाईड्रोजन, ऑक्सीजन, पोटाश, चूना, लोहा, मैग्नीशियम, गंधक, बोरेन, जस्ता, मैगनीज शामिल है। इसमें से कार्बन, हाईड्रोजन, ऑक्सीजन तत्वों को छोड़कर सभी भूमि से प्राप्त होती है। खादों में श्रेष्ठ होती है गोबर की खाद।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमपी सिंह बताते हैं की खाद जैविक खादों में सबसे श्रेष्ठ होती है। यह किसानों को सरलता से मिल जाती है। इस खाद से पौधों को आहार के सभी तत्व प्राप्त होते हैं। गोबर खाद जैविक होती है। इसमें सभी पोषक तत्व होते हैं। गोबर से पौध का बढ़वार व रोग लगने की संभावना बिल्कुल नहीं होती है। खेत में नमी बरकरार रहती है, जबकि रासायनिक खाद एक विशेष पोषक तत्व के लिए होती है।

आप भी बताएं अपनी समस्यायें etawah@knp.jagran.com

खेती का विज्ञान कीटों को विलुप्त होने से नहीं बचाया तो फसलें हो जाएंगी बर्बाद

दवाओं से किसान खो रहे हैं मित्र कीट

बकेवर, संवादसूत्र : रासायनिक दवाओं के अंधाधुंध प्रयोग से जहां वातावरण जहरीला हो रहा है वहीं किसान अपने मित्र कीटों को खोता जा रहा है। कीटों को विलुप्त होने से नहीं बचाया तो फसलें बर्बाद हो जाएंगी और उत्पादन प्रभावित होगा। बारिश शुरू होते ही बागों, खाली जमीनों, खेतों में केंचुआ, तिल्ली घोड़ी, गोरैला आदि दिखने लगते थे। यह मित्र कीट ऊपरी सतह पर चलकर सख्त होने से बचाने के साथ ही उर्वर बनाते थे। इसी प्रकार मैना, गौरैया, मकड़ियां शत्रु कीट-पतंगों का आहार बनाकर फसल की रक्षा करने में अहम भूमिका निभाती हैं। वहीं मधुमक्खी, तितली परागण के जरिए उत्पादन बढ़ाने में सहायक होते हैं। किसानों के साथ सदियों से मित्र का रोल निभा रहे इन कीटों के अस्तित्व पर संकट दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है। इनके विलुप्त होने का प्रमुख कारण है रासायनिक दवाओं के अंधाधुंध प्रयोग।

डा. एमपी सिंह

जनता कालेज बकेवर के कृषि वैज्ञानिक डा. एम पी सिंह बताते हैं कि मित्र कीट खेती को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों का आहार बनाकर संतुलन बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। इपीरीकानिया कीट जहां गन्ने की फसल को बर्बाद करने वाले पायरीला कीट का भक्षण करता है, वहीं ट्राइकोडर्मा कीट फसलों के शत्रु लारवा के अंडे में अपना अंडा देकर उसे नष्ट कर देता है। ट्राइकोकार्ड के जरिए सब्जी की फसल को बचाने में इस परजीवी अंडे का उपयोग लाभकारी है। इसी प्रकार बिटी नामक बैक्टीरिया का छिड़काव रेंगने वाले कीटों को मारने में किया जाता है। वहीं फली छेदक कीट को खत्म करने के लिए हेलियोथिस आर्मीजेरा वायरस के घोल का छिड़काव किया जाता है। उन्होंने सलाह दिया कि जरूरत पड़ने पर कृषि वैज्ञानिकों की सलाह पर रासायनिक दवाओं का प्रयोग करें।

आप भी बताएं अपनी समस्यायें etawah@knp.jagran.com

---

2 दैनिक जागरण कानपुर, 20 नवंबर 2018

खेती का विज्ञान खेत में छोटी-छोटी क्यारियों से होगी आसानी, लागत आएगी कम

श्री विधि से करें गेहूं की बोवाई, हो सकती ज्यादा पैदावार

संवादसूत्र, बकेवर : धान की कटाई के बाद किसान उसी खेत में गेहूं की बोवाई करते हैं, अगर इस समय सामान्य के बजाय श्री विधि से गेहूं की बोवाई करते हैं तो लागत कम और पैदावार ढाई से तीन गुना ज्यादा हो सकती है।

श्री विधि से खेती की तैयारी भी सामान्य गेहूं की तरीके से ही करते हैं। खेत से खरपतवार और फसल अवशेष निकालकर खेत की तीन-चार बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बना सकते हैं। उसके बाद पाटा चलाकर खेत को बराबर कर जलनिकासी का उचित प्रबन्ध करें। यदि दीमक की समस्या है तो दीमक नाशक दवा का प्रयोग करना चाहिए। खेत में पर्याप्त नमी न होने पर बुवाई के पहले एक बार पलेवा करना चाहिए। किसानों को चाहिए खेत में छोटी-छोटी क्यारियां बना लें। इस तरह से सिंचाई समेत दूसरे काम आसानी से और कम लागत में हो सकेंगे।

बीजोपचार से बढ़ती पौधों के बढ़ने की शक्ति : जनता कालेज बकेवर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमपी सिंह बताते हैं कि बोवाई के लिए प्रति एकड़ 10 किलोग्राम बीज का उपयोग करना चाहिए। सबसे पहले 20 लीटर पानी एक बर्तन में गर्म करें। अब चयनित बीजों को इस गर्म पानी में डाल दें। तैरने वाले हल्के बीजों को निकाल दें। अब इस पानी में तीन किलो केंचुआ

खाद, दो किलो गुड़ और चार लीटर देशी गौमूत्र मिलाकर बीज के साथ अच्छी प्रकार से मिलाएं। अब इस मिश्रण को छह-आठ घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में इस मिश्रण को जूट के बोरे में भरें, जिससे मिश्रण से अतिरिक्त पानी निकल जाए। इस पानी को एकत्रित कर खेत में छिड़कना लाभप्रद रहता है। अब बीज और ठोस पदार्थ बावास्टीन 2-3 ग्राम प्रति किग्रा. या ट्राइकोडर्मा 7.5 ग्राम प्रति किग्रा. के साथ पीएसबी कल्चर 6 ग्राम और एजोबैक्टर कल्चर 6 ग्राम प्रति किग्रा बीज के हिसाब से उपचारित कर नम जूट बैग के ऊपर छाया में फैला देना चाहिए।

लगभग 10-12 घंटों में बीज बुवाई के लिए तैयार हो जाते हैं। इस समय तक बीज अंकुरित अवस्था में आ जाते हैं। इसी अंकुरित बीज को बोने के लिए इस्तेमाल करना है। इस प्रकार से बीजोपचार करने से बीज अंकुरण क्षमता और पौधों के बढ़ने की शक्ति बढ़ती है और पौधे तेजी से विकसित होते हैं, इसे प्राइमिंग भी कहते हैं। बीज उपचार के कारण जड़ में लगने वाले रोग की रोकथाम हो जाती है। नवजात पौधे के लिए गौमूत्र प्राकृतिक खाद का काम करता है।

---

30 अक्टूबर 2018 इटावा जागरण

खेती का विज्ञान फसल में फूल आने पर स्वच्छ वायुमंडल, गर्म मौसम की होती है आवश्यकता

बाजरा में कीट आने पर दवा का करें छिड़काव

संवाद सूत्र, बकेवर : बाजरे की फसल चारे और दाने के लिए बोई जाती है। यह पशुओं का भोजन है तथा मनुष्य भी इसके दाने की रोटियां और खिचड़ी बनाकर शरद ऋतु में खाते हैं। इसके अतिरिक्त इसकी बाल को भी भूनकर खाया जाता है। बाजरे के लिए नम तथा गर्म जलवायु उपयुक्त रहती है। फसल में फूल आने पर स्वच्छ वायुमंडल, गर्म मौसम की आवश्यकता होती है। इसकी फसल के लिए 20 से 30 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त माना जाता है। इसकी खेती 40 सेमी. से 100 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में भी की जा सकती है।

खेत में खड़ी बाजरा की फसल • जागरण

बारिश के-रुख होते ही खेतों में खड़ी बाजरे की फसलों के दाने में ((अरगट रोग)) जहर आना शुरू हो गया है। रोग का असर देरी से बुआई वाले खेतों में ज्यादा माना जा रहा है। प्रभावित इलाकों में कई खेतों में फसलों की स्थिति का जायजा लिया है। प्रारंभिक तौर पर फसलों में यह समस्या 5 से 7 फीसद है। रोग को लेकर किसानों की चिंता भी बढ़ने लगी है।

डा. एमपी सिंह

जनता कालेज बकेवर के कृषि वैज्ञानिक डॉ एमपी सिंह बताते हैं कि अरगट रोग इस रोग से प्रभावित बालियों में दानों के स्थान पर भूरे काले रंग की गांठे दिखाई देने लगती हैं। ये दाने मनुष्यों और पशुओं के लिए हानिकारक होते हैं क्योंकि इन गांठों में विषैला पदार्थ भरा होता है। इस रोग के उपचार के लिए फसल में फूल आने पर 5-6 दिन के अंदर जिनेब 75 फीसद घुलनशील चूर्ण 2 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए तथा बीज को बोने से पूर्व 20 फीसद नमक के घोल में भिगो देना चाहिए जिससे रोग की गांठे पानी में ऊपर तैर जाती है तथा शुद्ध बीज नीचे बैठ जाता है। इसी बीज को बोना चाहिए।

Out comes

Increased income of the concerned farmers compared to previous income as per farmers discussion. The concerned farmers benefitted by the Kisan Seva Cell of the college.

Thank You
realme
Shot on realme 8 5G
2021/12/24 11:09